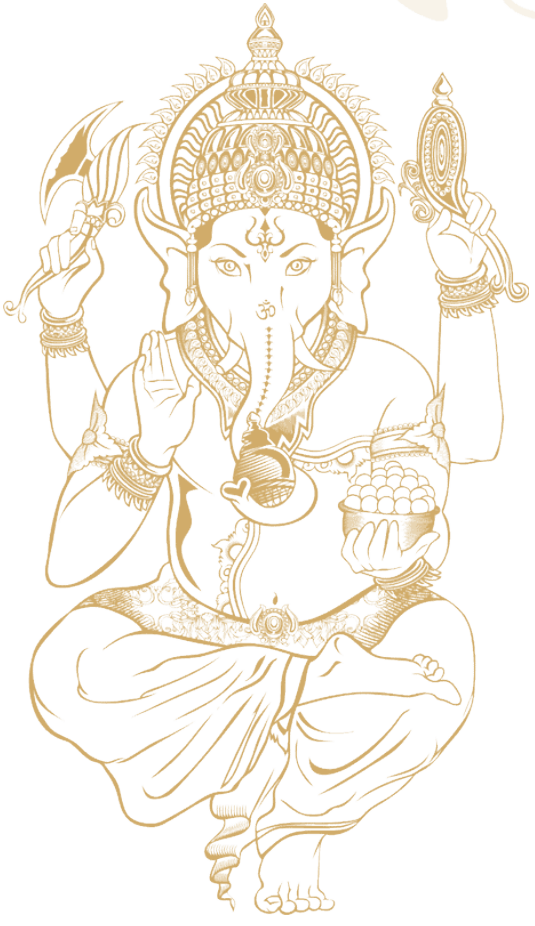

PREETI

10 Dec 1971

06:45 PM

Meerut

Model: web-freekundliweb

Order No: 121202604

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**10/12/1971**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**18:45:00 घंटे**
इष्ट	29:18:35 घटी
स्थान	**Meerut**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	29:00:00 उत्तर
रेखांश	77:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:25:48 घंटे
वेलान्तर	00:07:30 घंटे
साम्पातिक काल	23:40:15 घंटे
सूर्योदय	07:01:34 घंटे
सूर्यास्त	17:21:49 घंटे
दिनमान	10:20:15 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	24:21:10 वृश्चिक
लग्न के अंश	14:37:17 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**उ०फाल्गुनी - 3**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	आयुष्मान
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पा-पल्लवी
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	14:37:17	320:06:08	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	केतु	---
सूर्य			वृश्चि	24:21:10	01:00:59	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	मित्र राशि
चंद्र			कन्या	04:01:16	11:54:02	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	मित्र राशि
मंगल			कुंभ	26:17:20	00:37:14	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	सम राशि
बुध	व	अ	वृश्चि	29:50:19	01:15:37	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	सम राशि
गुरु		अ	वृश्चि	24:03:14	00:13:35	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	मित्र राशि
शुक्र			धनु	20:45:05	01:14:31	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	सम राशि
शनि	व		वृष	08:23:09	00:04:38	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		मक	13:05:32	00:01:36	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	मित्र राशि
केतु	व		कर्क	13:05:32	00:01:36	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	राहु	मित्र राशि
हर्ष			कन्या	23:58:46	00:02:19	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	मंगल	---
नेप			वृश्चि	09:53:09	00:02:12	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
प्लूटो			कन्या	08:24:13	00:00:51	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			मीन	01:09:16	--	पू०भाद्रपद	--	25	गुरु	गुरु	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:28:07

लग्न-चलित

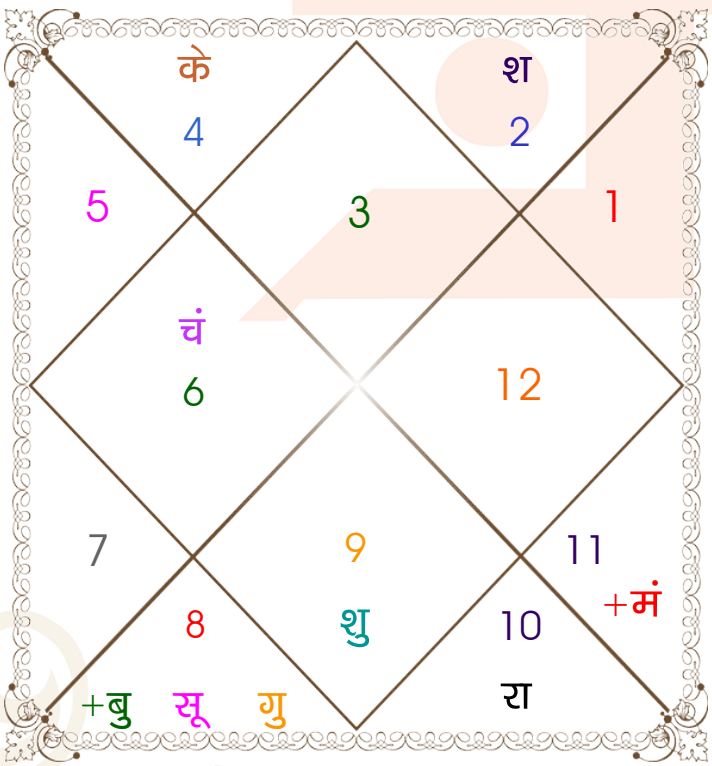

चन्द्र कुंडली

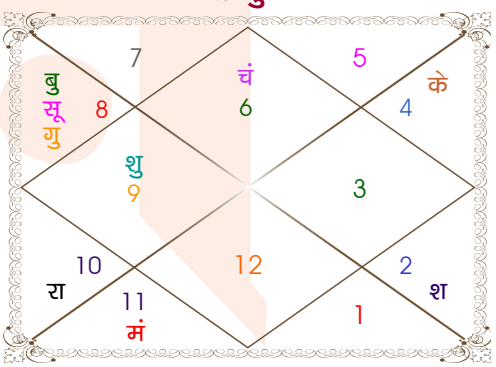

नवमांश कुंडली

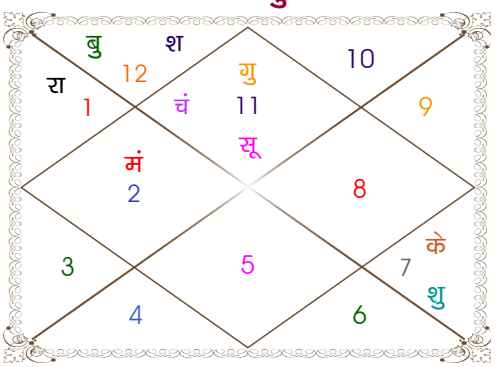

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 2 वर्ष 8 मास 8 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
10/12/1971		19/08/1974		18/08/1984		19/08/1991		19/08/2009	
19/08/1974		18/08/1984		19/08/1991		19/08/2009		19/08/2025	
	00/00/0000	चंद्र	19/06/1975	मंगल	15/01/1985	राहु	01/05/1994	गुरु	07/10/2011
	00/00/0000	मंगल	18/01/1976	राहु	02/02/1986	गुरु	24/09/1996	शनि	19/04/2014
	00/00/0000	राहु	19/07/1977	गुरु	09/01/1987	शनि	01/08/1999	बुध	25/07/2016
	00/00/0000	गुरु	18/11/1978	शनि	18/02/1988	बुध	17/02/2002	केतु	01/07/2017
	10/12/1971	शनि	19/06/1980	बुध	14/02/1989	केतु	08/03/2003	शुक्र	01/03/2020
शनि	06/06/1972	बुध	18/11/1981	केतु	13/07/1989	शुक्र	08/03/2006	सूर्य	18/12/2020
बुध	13/04/1973	केतु	19/06/1982	शुक्र	12/09/1990	सूर्य	30/01/2007	चंद्र	19/04/2022
केतु	19/08/1973	शुक्र	18/02/1984	सूर्य	18/01/1991	चंद्र	31/07/2008	मंगल	26/03/2023
शुक्र	19/08/1974	सूर्य	18/08/1984	चंद्र	19/08/1991	मंगल	19/08/2009	राहु	19/08/2025

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
19/08/2025		18/08/2044		19/08/2061		18/08/2068		18/08/2088	
18/08/2044		19/08/2061		18/08/2068		18/08/2088		00/00/0000	
शनि	22/08/2028	बुध	15/01/2047	केतु	15/01/2062	शुक्र	19/12/2071	सूर्य	06/12/2088
बुध	02/05/2031	केतु	12/01/2048	शुक्र	17/03/2063	सूर्य	18/12/2072	चंद्र	07/06/2089
केतु	09/06/2032	शुक्र	12/11/2050	सूर्य	23/07/2063	चंद्र	19/08/2074	मंगल	13/10/2089
शुक्र	10/08/2035	सूर्य	19/09/2051	चंद्र	21/02/2064	मंगल	19/10/2075	राहु	06/09/2090
सूर्य	22/07/2036	चंद्र	17/02/2053	मंगल	19/07/2064	राहु	19/10/2078	गुरु	25/06/2091
चंद्र	20/02/2038	मंगल	14/02/2054	राहु	07/08/2065	गुरु	19/06/2081	शनि	10/12/2091
मंगल	01/04/2039	राहु	03/09/2056	गुरु	13/07/2066	शनि	18/08/2084		00/00/0000
राहु	05/02/2042	गुरु	10/12/2058	शनि	22/08/2067	बुध	19/06/2087		00/00/0000
गुरु	18/08/2044	शनि	19/08/2061	बुध	18/08/2068	केतु	18/08/2088		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 2 वर्ष 8 मा 11 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति की हो जाएंगी। आप अपने पति पर प्रभुत्व जमाएंगी। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगी।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहती हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहती हैं। आप चाहती हैं कि आपके पति आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरे पति जीवन साथी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकती है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है।

मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से

कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए।

ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।